उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में संशोधन

3060. श्री आस मोहम्मद :
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री 27 मार्च, 1995 को राज्य सभा में अतारांकित प्रश्न 1951 तथा 1958 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में और संशोधन करने के संबंध में कार्य दल ने अपनी रिपोर्ट दे दी है; और

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उस पर सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह) (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

दुग्ध उत्पादों का निर्यात

3061. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में दुग्ध (तरल) के उत्पादन में वृद्धि के साथ ही दुग्ध-उत्पादों के निर्यात में भी अनियंत्रित वृद्धि हुई है जिसके परिणाम-स्वरूप देश के आम उपभोक्ताओं के लिए दूध का संकट उत्पन्न हो गया है;

(ख) यदि नहीं तो 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान देश में तरल दुग्ध की कितनी मात्रा उपलब्ध थी और देश के महानगरों में इसकी प्रति लीटर कीमत क्या-क्या थी ;

(ग) क्या यह भी सच है कि उपर्युक्त वर्षों के दौरान दुग्ध-उत्पादों के निर्यात में वृद्धि हुई है;

(घ) यदि हां, तो उपर्युक्त वर्षों के दौरान वर्ष-वार कितनी मात्रा में दुग्ध-उत्पादों का निर्यात किया गया;

(ङ) क्या इसके निर्यात के कारण आम उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है; और

(च) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है और क्या इसके निर्यात को रोकने हेतु कोई कदम उठाए जाएंगे ?

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री बूटा सिंह) (क) से (घ) देश में दूध का उत्पादन वर्ष 1991-92 के 557.5 लाख मी. टन से बढ़कर वर्ष 1993-94 में 608 लाख मी. टन हो गया है। दुग्ध उत्पादों का निर्यात वर्ष 1991-92 के 2343.42 मी. टन से घटकर वर्ष 1993-94 में 1937.64 मी. टन हो गया है । वर्ष 1991-92, 1992-93 और 1993-94 के दौरान दूध का कुल उत्पादन और दुग्ध उत्पादों का निर्यात तथा साथ ही देश के चुनिंदा प्रमुख शहरों में दूध का प्रति लीटर मूल्य संलग्न विवरण में दर्शाया गया है । (नीचे देखिए) दुग्ध उत्पादों के निर्यात में कोई वृद्धि नहीं हुई है तथा वस्तुतः वर्ष 1991-92 से निर्यात में कमी आई है ।

(ङ) और (च) दुग्ध उत्पादों की नगण्य मात्रा के निर्यात से देश में दूध और दुग्ध, उत्पादों की समग्र मांग, आपूर्ति के संतुलन पर प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है । इस समय देश में दूध और दुग्ध उत्पादों की विद्यमान कमी को देखते हुए नवीनतम निर्यात आयात नीति में मलाई उतरे दुग्ध पाउडर के आयात को खुले सामान्य लाइसेंस के तहत रख दिया गया है । इस समय निर्यात आयात नीति 1992-97 के अनुसार दूध, बेबी मिल्क और रिसंकामित द्रव दुग्ध का निर्यात प्रतिबंधित है ।